भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1310

सोमवार, 25 नवम्बर, 2019/4 अग्रहायण, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रयागराज का विकास

1310. श्रीमती केशरी देवी पटेलः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) संगम नगरी के नाम से प्रसिद्ध प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) के विकास की क्या योजना है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है

(ख) यहां विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या इस स्थान पर विदेशी पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने संबंधी सरकार की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ): मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन, प्रशाद तथा केंद्रीय एजेंसियां को सहायता योजनाओं के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहित राज्य सरकारों/केंद्र संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनो/केंद्रीय अभिकरणों को पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है । योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाएं राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनो के परामर्श से पहचानी जाती हैं और निधियों की उपलब्धता, संगत विस्तृत परियोजना रिपोर्टों को प्रस्तुत करने, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी निधियों के उपयोग की शर्त पर स्वीकृत की जाती है ।

उपरोक्त योजनाओं के तहत मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु **653.16** करोड रुपए की **16** परियोजनाएं स्वीकृत की है । परियोजनाओं के ब्योरे अनुबंध पर हैं ।

पर्यटन मंत्रालय अतुल्य भारत ब्रांड लाइन के अंतर्गत भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है । अपनी चालू गतिविधियों के एक भाग के रूप में मंत्रालय उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए अंतर्राष्ट्रीय तथा घरेलू बाजारों में प्रतिवर्ष प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान चलाता है । पर्यटन मंत्रालय ने कुंभ मेला **2019** के दौरान ग्लोबल मीडिया अभियान **2018-19** के एक भाग के रूप में टेलीविजन तथा ऑनलाइन मीडिया पर विशेष संवर्धनात्मक कार्यकलाप किए । मंत्रालय ने कुंभ के लिए भारत की यात्रा हेतु विदेशों से यात्रा प्रचालको/मीडिया प्रतिनिधियों के लिए परिचायक दौरे भी आयोजित किए ।

****

अनुबंध

प्रयागराज का विकास के संबंध में दिनांक 25.11.2019 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1310 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	योजना/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	स्वदेश दर्शन 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास: श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु	**99.97**
2.	स्वदेश दर्शन 2016-17	रामायण परिपथ का विकास: चित्रकूट और श्रृंग्वेरपुर	**69.45**
3.	स्वदेश दर्शन 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ का विकास: शाहजहांपुर - बस्ती- अहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी - प्रतापगढ़ - उन्नाव - कौशाम्बी - मिर्जापुर - गोरखपुर - कैराना - डुमरियागंज - बागपत - बाराबंकी - आजमगढ़	**68.39**
4.	स्वदेश दर्शन 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ का विकास: बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सालेमपुर - घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्रा - चंदौली - मिश्रिख - भदोही	**63.77**
5.	स्वदेश दर्शन 2016-17	विरासत परिपथ का विकास: कालिंजर का किला (बांदा) - मरहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - मवहर स्थल (घोसी) - शहीर स्मारक (मेरठ)	**34.82**
6.	स्वदेश दर्शन 2017-18	रामायण परिपथ का विकास: अयोध्या	**133.31**
7.	स्वदेश दर्शन 2018-19	आध्यात्मिक सर्किट का विकास :जेवर - दादरी - सिकन्दराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा	**14.52**
8.	स्वदेश दर्शन 2018-19	आध्यात्मिक सर्किट का विकास: गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपत्तन मंदिर (बलरामपुर) और वटवासिनी मंदिर (डुमरियागंज)	**21.16**
9.	प्रशाद 2014-15	मेगा पर्यटन परिपथ (फेज-।।) के अंतर्गत मथुरा वृन्दावन का विकास	**14.93**
10.	प्रशाद 2014-15	वृंदावन, जिला मथुरा में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	**9.36**
11.	प्रशाद 2015-16	वाराणसी का विकास	**20.40**

12.	प्रशाद 2017-18	गंगा नदी में क्रूज पर्यटन, वाराणसी	**10.72**
13.	प्रशाद 2017-18	प्रशाद योजना-।। के तहत वाराणसी का विकास	**44.60**
14.	प्रशाद 2018-19	गोवार्धन, मथुरा का विकास	**39.74**
15.	केंद्रीय अभिकरण 2014-15	वाराणसी/सारनाथ में स्मारको का प्रदिप्तीकरण करण (सारनाथ में धामेख स्तूप और सारनाथ में चौखण्डी स्तूप, सारनाथ में ललकन का मकबरा और बनारस में मन महल)	**5.12**
16.	केंद्रीय अभिकरण 2017-18	उत्तर प्रदेश के वाराणसी में तीन स्मारकों का प्रदिप्तीकरण **1.** दशास्वमेध घाट से दरबंगा घाट (300 मी. तक) **2.** तुलसी मानस मंदिर **3.** सारनाथ संग्रहालय	**2.9**
		कुल	**653.16**

****